H.W.

Date 16/April/19

पाठ-1

दो बैलों की कथा

प्र० 1) कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी क्यों ली जाती होगी?

उ०) कांजीहौस एक प्रकार से पशुओं की जेल थी। उसमें ऐसे आवारा पशु कैद होते थे जो दूसरों के खेतो मे घुसकर फसले नष्ट करते थे। अतः कांजीहौस के मालिक का यह काम होता था कि वह उन्हें जेल मे सुरक्षित रखे तथा भागने न दे। इस कारण हर रोज उनकी हाजिरी लेनी पड़ती होगी।

प्र० 2) छोटी बच्ची को बैलों के प्रति प्रेम क्यों उमड़ आया?

उ०) छोटी बच्ची की माँ मर चुकी थी। वह माँ के बिछुड़ने का दर्द जानती थी। इसलिए जब उसने हीरा-मोती की व्यथा देखी तो उसके मन मे उनके प्रति प्रेम उमड़ गया। उसे लगा कि वे भी उसी की तरह अभागे है और अपने मालिक से दूर है।

प्र० 3) कहानी में बैलों के माध्यम से कौन-कौन से नीति-विषयक मूल्य उभर कर आए हैं?

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

उ०→ इस कहानी के माध्यम से निम्नलिखित नीतिविषयक मूल्य उभरकर सामने आए हैं-
सरल - सीधा और अत्यधिक सहनशील होना पाप है। बहुत सीधे इन्सान को मूर्ख या 'गधा' कहा जाता है। इसलिए मनुष्य को अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना चाहिए।
आजादी बहुत बड़ा मूल्य है। इसे पाने के लिए मनुष्य को बड़े-से-बड़ा कष्ट उठाने को तैयार रहना चाहिए। समाज में के सुखी-सम्पन्न लोगों को भी आज़ादी की लड़ाई में योगदान देना चाहिए।

प्र० 4→ किन्ह घटनाओं से पता चलता है कि हीरा और मोती में गहरी दोस्ती थी?

उ०→ इस कहानी में अनेक घटनाएँ ऐसी हैं जिनसे पता चलता है कि मोती और हीरा में गहरी दोस्ती थी।
पहली घटना - दोनों एक-साथ गाड़ी में जोते जाते थे तो दोनों की यही कोशिश रहती कि ज्यादा भार उसके कंधे पर हो न कि उसके दूसरे साथी पर।
दूसरी घटना - गया ने हीरा के नाक पर डंडा मारा तो मोती से सहा न गया। वह हल, रस्सी, जुआ, जोत सब लेकर भाग पड़ा। उससे हीरा का कष्ट देखा नहीं

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera

गया।
तीसरी घटना - मोती मटर के खेत में मटर खाते -खाते पकड़ा गया। हीरा उसे अकेला विपत्ति में देखकर वापस आ गया। वह भी मोती के साथ पकड़ा गया।

प्र०5-> किसान जीवन वाले समाज में पशु और मनुष्य के आपसी सम्बन्धों को कहानी मे किस तरह व्यक्त किया गया है।

उ० किसान जीवन में पशुओं और मनुष्यों के आपसी संबंध बहुत गहरे रहे हैं। किसान पशुओं को घर के सदस्य की तरह प्रेम करते रहे हैं और पशु अपने स्वामी के लिए जी-जान देने को तैयार रहे हैं। झूरी, हीरा और मोती को बच्चों की तरह स्नेह करता था। तभी तो उसने उनके सुंदर-सुंदर नाम रखे - हीरा-मोती। वह उन्हें अपनी आँखों से दूर नहीं करना चाहता था। जब हीरा-मोती उसकी ससुराल से लौटकर वापस उसके थान पर आ खड़े हुए तो उसका हृदय आनंद से भर गया। गाँव-भर के बच्चों ने भी बैलों की स्वामिभक्ति देखकर उनका अभिनंदन किया। इससे पता चलता है कि किसान अपने पशुओं से मानवीय व्यवहार करते हैं।

Good.

17/04/19

Shot on Y83 Pro
vivo dual camera